सांध्य दैनिक

4PM

यदि आप दूसरों की मदद कर सकते हैं, तो अवश्य करें, यदि नहीं कर सकते है तो कम से कम उन्हें नुकसान नही पहुचाइए।

-दलाई लामा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 225 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 21 सितम्बर, 2024

चेन्नई टेस्ट में भारतीय टीम ने कसा... 7 | उपचुनावों ने बढ़ाया यूपी का सियासा... 3 | 'यूपी में अपराधियों का भाजपाईकरण... 2

तिरुपति मंदिर के लड्डुओं में मिलावट की जांच को लेकर उठ रहे सवाल!

जांच की रिपोर्ट को देर से सार्वजनिक करने पर भी बवाल

- विपक्ष ने एनडीए सरकार व भाजपा को घेरा
- लोगों ने पूछा- गुजरात में क्यों कराई गई जांच
- तिरुमाला देवस्थानम ने कहा है कि अब प्रसाद पूरी तरह से पवित्र और बेदाग
- केंद्र सरकार ने मांगी रिपोर्ट जांच के दिए आदेश अदालत तक पहुंचा मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावटी घी पाए जाने के बाद आंध्र प्रदेश में बड़ा सियासी विवाद खड़ा हो गया है। एक तरफ पूर्व सीएम जगन रेड्डी आरोपों का खंडन कर रहे है तो वहीं मौजूदा सरकार उन पर गंभीर आरोप लगा रही है। इन सबके बीच कुछ सवाल और भी उठ रहें हैं। पिछले दस साल से केंद्र में हिंदुत्व का झंडा उठाने वाली भाजपा सत्ता में हैं। उसके बाद भी दुनिया के सबसे अमीर मंदिरों में गिने जाने वाले इस मंदिर में इतना घिनौना काम होता रहा तो वह क्या कर रही थी। सूत्रों का कहना है कि रिपोर्ट जुलाई में आ गई थी उसे अब क्यों सार्वजनिकें किया। दो महीने तक इसे क्यों दबाया गया।

वही चूकि सबसे बड़ी फोरेंसिक लैब जब हैदराबाद में हैं तो लड्डुओं की जांच गुजरात की नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड से क्यों नहीं कराया गया। ये सब बातें इस ओर इशारा कर रही है कि कहीं न कहीं राजनीति भी आस्था के साथ की जा रही है। इन सबके बीच विपक्ष के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मोदी सरकार से जांच की मांग की है।

वहीं पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद ने कहा कि अब प्रसाद खाने में हिचक होगी जो काफी दुखद है। हालांकि मंदिर प्रशासन ने कहा कि अब लड्डुओं की शुद्धता में कोई गड़बड़ी नही होगी। वहीं इस पूरे मामले की जांच के लिए केंद्र ने आदेश दे दिए हैं। कंपनी को सरकार की ओर से बैन कर दिया गया है। हालांकि कंपनी ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि, जून-जुलाई में घी का सैंपल एफएसएसएआई व एगमार्क ने लिया था।

सीएम नाकामी छुपाने के लिए लगा रहे आरोप : जगन मोहन

आंध्र के पूर्व सीएम जगन मोहने ने कहा कि, घी की सप्लाई के लिए हर 6 महीने में टीटीडी टेंडर जारी करता है। रूटीन के तहत ही जो लोग चुने जाते हैं, उन्हें टेंडर दिया जाता है। ये मानदंड कोई आज तय नहीं हुए है। वे 10 साल से इसी तरह चले आ रहे हैं। 100 दिन की नाकामी छुपाने के लिए चंद्रबाबू नायडू ने निराधार आरोप लगाए हैं।

अपवित्र करने की खबरें परेशान करने वाली : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी लड्डुओं में मिलावट सामने आने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रसाद को अपवित्र करने की खबरें परेशान करने वाली हैं और इस मुद्दे पर गहनता से विचार किया जाना चाहिए। भगवान बालाजी भारत और दुनिया भर में लाखों भक्तों के लिए पूजनीय देवता हैं। यह मुद्दा हर भक्त को दुखी करेगा और इस पर गहनता से विचार किए जाने की आवश्यकता है। भारत भर के अधिकारियों को हमारे धार्मिक स्थलों की पवित्रता की रक्षा करनी होगी।

भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा : नायडू

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा था कि इस भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले में सरकार की ओर से कई लोगों के खिलाफ एक्शन भी लिया जा चुका है। आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने दो दिन पहले लैब रिपोर्ट के हवाले से दावा किया था कि, मंदिर के प्रसादम में प्रयोग होने वाले शुद्ध घी में जानवरों की चर्बी मिली हुई है।

हर महीने लड्डुओं के लिए खरीदा जाता है 42 हजार किलो घी

तिरुपति बालाजी के प्रसाद में मिलने वाले लड्डू पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं। इन्हें जीआई का टैग भी मिला है। मंदिर प्रशासन हर रोज शुद्ध देसी घी के 3.50 लाख लड्डू तैयार करता है। इन लड्डुओं को बनाने में शुद्ध बेसन की बूंदी, चीनी, काजू और शुद्ध घी का इस्तेमाल किया जाता है। यहीं लड्डू तिरुपति मंदिर का मुख्य प्रसाद होते है। मंदिर के प्रसाद को बनाने के लिए मंदिर हर साल करीब 5 लाख किलो और हर महीने 42000 किलो घी तिरुमला तिरुपति देवस्थानम की ओर से खरीदता है। इस घी की खरीद के लिए मंदिर प्रशासन टेंडर जारी करता है।

जगन की बहन शर्मिला ने की सीबीआई जांच की मांग

कांग्रेसी नेता वाईएस शर्मिला ने कहा, तिरुपति लड्डू को लेकर टीडीपी और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी दोनों राजनीति कर रही हैं। उन्होंने हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। इस मामले पर सीएम नायडू एक उच्च स्तरीय समिति बनाएं या सीबीआई जांच कराएं। कांग्रेस आपसे सच्चाई पता लगाने की मांग करती है।

आतिशी आज संभाल लेंगी दिल्ली की सीएम की कुर्सी

- राष्ट्रपति ने आतिशी को सीएम नियुक्त किया, केजरीवाल का इस्तीफा मंजूर
- मुख्यमंत्री पद की शपथ की राजनिवास में तैयारी पूरी बनेंगे पांच मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के बाद आतिशी आज शाम दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगी। राजनिवास में शपथ ग्रहण समारोह होगा। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

जानकारी के मुताबिक शाम 4:30- 5: 00 बजे के बीच आतिशी मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगी। अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा और आतिशी के नेतृत्व में नई सरकार के गठन को मंजूरी राष्ट्रपति से मिल गई है। इसके बाद शनिवार शपथ ग्रहण की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

ये बनेंगे मंत्री

दिल्ली में गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज और इमरान हुसैन कैबिनेट मंत्री की शपथ लेंगे। मुकेश अहलावत भी कैबिनेट मंत्री की शपथ लेंगे। दिल्ली को एक नया कैबिनेट मंत्री मिलेगा । मुकेश अहलावत सुल्तानपुरी से विधायक हैं। यह अनुसूचित जाति वर्ग से आते हैं। यह राजकुमार आनंद की जगह लेंगे। बता दें कि दिल्ली सरकार में मुख्यमंत्री सहित कुल छह मंत्री होते हैं। अभी पांच मंत्री शपथ लेंगे मुख्यमंत्री के साथ। एक मंत्री की जगह अभी खाली है जो आतिशी की जगह पर बनेंगे।

फिर सामने आया योगी सरकार का संवेदनहीन चेहरा!

जहरीला पदार्थ खाकर सीएम आवास के पास पहुंची महिला

- पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में लगता हैं लोगों की परेशानी पिछले कुछ दिनों में बढ़ गई है। आए दिन आत्मदाह करने की घटनाएं बढ़ रही हैं। सबसे बड़ी बिंडबना ये है कि बार-बार घटती घटनाओं के बाद भी राज्य की भाजपा सरकार संवेदनहीन बनी हुई है। दरअसल, फिरोजाबाद की एक महिला शनिवार सुबह जहर खाकर मुख्यमंत्री आवास के पास कालिदास मार्ग पहुंची।

पुलिस ने महिला को तत्काल पकड़ लिया। जब देखा कि उसकी हालत खराब हो रही है तो तुरंत सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। वह मकान पर कब्जा होने की वजह से परेशान है। पुलिस ने फिरोजाबाद पुलिस से संपर्क कर मामले की जानकारी दी है। पुलिस के मुताबिक एक महिला कालिदास मार्ग के पास पहुंची थी। पुलिसकर्मियों ने उसको देखा। कुछ संदिग्धता हुई तो पुलिसकर्मी उसके पास गए। महिला ने कहा कि उसने कुछ देर पहले जहर खाया है। ये सुनकर पुलिसकर्मी सन्न रह गए। उसको अस्साल पहुंचाया।

दबंगों ने किया है मकान पर कब्जा दे रहे हैं बेटे को मारने की धमकी

एसीपी हजरतगंज अरविंद वर्मा ने बताया कि जानकारी की गई तो महिला ने बताया कि कुछ लोगों ने उसके मकान पर कब्जा कर लिया है। वे लोग महिला को धमकी देते हैं कि उसके बेटे को जान से मार देंगे। महिला का कहना है कि मकान पर कब्जा होने और बेटे की हत्या की धमकी मिलने की वजह से वह बहुत दहशत में है। इसलिए उसने यहां आकर जहर खाकर खुदकुशी करने की कोशिश की। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

'यूपी में अपराधियों का भाजपाईकरण हो गया'

पूर्व सीएम व सपा प्रमुख अखिलेश यादव बोले- भाजपा सरकार 2027 में साफ हो जाएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के अपराधी कहीं गए नहीं हैं, बल्कि उनका भाजपाईकरण हो गया है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यादव दावा किया कि उत्तर प्रदेश के मतदाता 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर कर देंगे। स्थानीय सांसद और सपा प्रमुख ने कन्नौज के दौरे के दौरान आरोप लगाया कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने क्षेत्र में सभी सुविधाएं बर्बाद कर दी हैं और लोगों पर झूठे मामले दर्ज किए जा रहे हैं। 2027 के चुनाव में जनता भाजपा को उखाड़ फेंकेगी। राज्य में पार्टी का सफाया तय है।

अपराधियों में प्रशासन का कोई डर नहीं

सपा प्रमुख ने कहा, यह घटनाएं उत्तर प्रदेश में बेखौफ घूम रहे दुर्दांत गैंग का सच सामने ला रही है। प्रदेश में हर दिन हत्याएं हो रही है। अपराधियो में प्रशासन का कोई डर नही है। उन्होने कहा कि महिलाओ के खिलाफ अपराध के मामले मे उत्तर प्रदेश देश मे सबसे ऊपर है, लेकिन भाजपा सरकार बेशर्मी से अपने कुकर्मो पर पर्दा डालती रहती है। यादव ने कहा, भाजपा सरकार के लोग जब यह कहते है कि अपराधी प्रदेश छोड़कर भाग गए है, तो वह सच से मुंह मोड़ रहे होते है। दरअसल भाजपा सरकार मे अपराधी कही नही गए है, उनका भाजपाईकरण हो गया है। उन्होने दावा किया, तमाम दबंगो, अपराधियो को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। सरकार हर स्तर पर भेदभाव करती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि जाति और धर्म देखकर सजाएं तय की जाती है। उन्होने कहा कि सत्ता दल से जुड़े असामाजिक तत्वो को छूट मिलती है और विपक्षियो के घरो पर बुलडोजर की कार्रवाई मे देर नही लगती है, इसीलिए अपराध की घटनाएं कम होने के बजाय लगातार बढ़ती जा रही है।

यूपी में महिलाएं सबसे ज्यादा असुरक्षित

महिला सुरक्षा पर, उन्होने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ो की ओर इशारा करते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश मे असुरक्षित महिलाओ की संख्या सबसे अधिक है। सपा के भदोही विधायक जाहिद बेग के खिलाफ प्राथमिकी के संबंध मे यादव ने दावा किया कि सरकार की मंशा साफ नही है। उन्होने आरोप लगाया कि चुनाव मे हार के बाद केवल यादवो और मुसलमानो को निशाना बनाया जा रहा है। यादव ने कहा कि अयोध्या के राम मंदिर मे सफाई कर्मचारी से इस साल 16 से 25 अगस्त तक कई बार सामूहिक दुष्कर्म करने की घटना मे सत्ता दल से संबंधित लोग आरोपी है। महिलाएं आस्था के स्थान पर भी सुरक्षित नही है। अयोध्या के कैंट थाने मे पीड़ित युवती द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, 16 से 25 अगस्त के बीच तीन अलग-अलग मौको पर उससे सामूहिक दुष्कर्म किया गया।

ताजमहल में सब ठीक है... पूर्व सीएम के एक्स पर एएसआई ने दिया जवाब

ताजमहल के गुंबद की दीवारों पर उगे पौधे, गुंबद में रिसाव समेत संरक्षण से जुड़े सवालों पर पहली बार भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की सफाई सामने आई है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक ने एक्स पर मीडिया रिपोर्ट और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के सवालों का बिंदुवार जवाब दिया है। एक्स पर एएसआई ने पोस्ट डालकर सफाई दी है, ताजमहल मुख्य गुंबद पर जंग लगने की सूचना गलत है। लगातार अधिक वर्षा की वजह से पानी की कुछ बूंद देखी गई हैं, जिनका निराकरण किया जा रहा है। कोई गंभीर संरचनात्मक समस्या नहीं है। मुख्य गुंबद नहीं, बाहरी दीवार में पौधा था। उसे हटाया जा चुका है। वर्षा के मौसम में इस तरह के पौधे उगते रहते हैं। उनको निरंतर हटाया जाता रहता है। ताजमहल परिसर में पिछले 1 वर्ष से अधिक के समय से किसी पर्यटक ने बंदर की कोई शिकायत नहीं की है। डीजी एएसआई के एक्स हैंडल से कहा गया है कि उद्यान परिसर में बारिश का भरा हुआ पानी क्षणिक है। वह परिसर में स्थित कुओं एवं रिचार्ज पिटों के माध्यम से भूजल में समाहित हो जाता है। यह जल संरक्षण की एक विधा है, कोई समस्या नहीं। ताजमहल परिसर के अंदर पर्यटकों के लिए सुंदर वातावरण है। यहां आकर आनंद लें। ताजमहल के रखरखाव में जो भी राशि खर्च की जाती है। उसका ऑडिट किया जाता है। अभी तक के ऑडिट में ऐसी कोई शंका जाहिर नहीं की गई है।

सार्वजनिक तौर पर माफी मांगें अखिलेश: केशव मौर्य

» सीएम योगी पर की गई तल्ख टिप्पणी पर भड़के उपमुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सपा व भाजपा नेताओं के बयानों में तल्खी बढ़ गई है। इस बयानबाजी में पार्टी के अन्य नेता भी शामिल हो गए हैं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को एक्स पर दिए गए एक बयान से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाषा से पहचानिए असली संत महंत, साधु वेष में घूमते जग में धूर्त अनंत। इस पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पलटवार किया है। उन्होंने अखिलेश यादव से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने की अपील की है। उन्होंने एक्स पर कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव आप कांग्रेस के मोहरा और राहुल गांधी के दरबारी बनने के बाद से भाषा की मर्यादा भूल गए हैं और आपकी बयानबाजी से केवल संपूर्ण संत समाज का ही नहीं प्रदेश की 25 करोड़ जनता का भी अपमान हो रहा है। ऐसे बयान के लिए आप सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगें। आपकी भाषा ही सपा को समाप्त वादी पार्टी बनायेगी। सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव जी आप कांग्रेस के मोहरा और श्री राहुल गांधी के दरबारी बनने के बाद से भाषा की मर्यादा भूल गए हैं और आपके बयानबाज़ी से केवल संपूर्ण संत समाज का ही नहीं प्रदेश की 25 करोड़ जनता का भी अपमान हो रहा है । ऐसे बयान के लिए आप सार्वजनिक रूप से क्षमा माँगें।

कांग्रेस राज में जिस पर आरोप लगाए, उसे ही सौंपी खजाने की चाबी: खाचरियावास

» बोले- भाजपा का दोहरा चरित्र उजागर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की ब्यूरोक्रेसी क्या अब कांग्रेस के निशाने पर आ चुकी है? पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में जिस तरह से बीजेपी ब्यूरोक्रेसी को लेकर हमलावर थी, ठीक उसी तर्ज पर अब कांग्रेस अफसरशाही को लेकर बीजेपी से सवाल पूछ रही है। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने प्रदेश के वित्त सचिव अखिल अरोड़ा को लेकर बड़ा बयान दिया।

उन्होंने कहा कि जिस अखिल अरोड़ा पर किरोड़ीलाल मीणा ने बहुत बड़े-बड़े आरोप लगाए थे, उसे सरकार ने खजाने की चाबी कैसे सौंप रखी है? राजस्थान में पिछले कुछ समय से सियासी बयानबाजी के सेंटर

में ब्यूरोक्रेसी भी शामिल हो चुकी है। शुक्रवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री व कांग्रेसी नेता प्रतापसिंह खाचरियावास ने राजस्थान के एक ह्वूस अफसर को लेकर बीजेपी सरकार पर हमला बोला।

उन्होंने कहा- पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में बीजेपी लगातार जिन अफसरों को भ्रष्ट बता रही थी, अब वे मौजूदा सरकार में सबसे अहम महकमों को चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान के वित्त सचिव अखिल अरोड़ा पर किरोड़ी मीणा ने बहुत बड़े-बड़े चार्ज लगाए थे। राजस्थान के मुख्यमंत्री बता दें कि यदि से सारे अधिकारी यदि गलत थे और कांग्रेस के समय भ्रष्टाचार हुआ था तो आज से सारे अधिकारी राज्य के खजाने की चाबी लेकर कैसे बैठे हैं। भजनलाल सरकार इससे पहले भी अफसरशाही को लेकर कांग्रेस और खुद अपनी पार्टी के नेताओं के निशाने पर आ चुकी है। पिछले दिनों पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर भजनलाल को घेरते हुए अफसरों के ट्रांसफर को लेकर निशाना बनाया था। उन्होंने कहा था कि आज भी सरकार चलाने वाले प्रमुख पदों पर हमारी सरकार के दौरान लगाए गए अधिकारी काबिज हैं।

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं करोड़पति दीदी बनने में सक्षम: सोरेन

» बोले- सरकारी दावों से अलग है किसानों का हाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं में करोड़पति दीदी बनने की क्षमता है और उन्होंने किसानों को बिचौलियों से बचाने की जरूरत पर बल दिया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान (एनआईएसए) के शताब्दी समारोह में सोरेन ने कहा, जबकि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को लखपति दीदी बनाने की बात हो रही है, मेरा

मानना है कि वे इससे भी बड़ा लक्ष्य रख सकती हैं। सही नीतियों के साथ वे करोड़पति दीदी बनने में सक्षम हैं। इससे पहले केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के प्रयासों का उल्लेख किया था। सोरेन ने किसानों के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हालांकि सरकारी रिपोर्ट सकारात्मक आंकड़े दिखाती हैं, लेकिन मेहनतकश किसानों को जिस वास्तविक संघर्ष का सामना करना पड़ता है, वह ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट है।

उपचुनावों ने बढ़ाया यूपी का सियासा पारा

प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होना है उपचुनाव

- सपा-भाजपा के बीच होगी कड़ी टक्कर
- बीजेपी झोंक रही अपनी पूरी ताकत
- भाजपा व सीएम योगी के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बनी मिल्कीपुर सीट
- भाजपा के सामने अपनी सीटों को बचाए रखने की चुनौती
- बसपा भी कर रही तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश की सियासत की धुरी कहे जाने वाले उत्तर प्रदेश में इस समय सियासी हलचल तेज है। जिसके चलते राजनीतिक पारा आए दिन ऊपर-नीचे हो रहा है। दरअसल, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों से इतर उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। अब इन्हीं उपचुनावों को लेकर प्रदेश का सियासी माहौल गरमाया हुआ है। वैसे तो इन उपचुनावों के लिए प्रदेश के सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी कमर कस रहे हैं। लेकिन असली मुकाबला सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी और लोकसभा चुनाव में प्रदेश में शानदार प्रदर्शन करने वाली समाजवादी पार्टी के बीच में है। बेशक विधानसभा में समाजवादी पार्टी विपक्ष के पाले में बैठी है। लेकिन जिस तरह से हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में अपना प्रदर्शन किया और लोकसभा की 80 में से 70 सीटें जीतने का दंभ भरने वाली सत्ताधारी भाजपा को जबरदस्त पटखनी देते हुए 33 सीटों पर ही रोक दिया और खुद 37 सीटों पर परचम लहराया। उस प्रदर्शन के बाद से समाजवादी पार्टी और पार्टी मुखिया अखिलेश यादव के हौसले बुलंद हैं। यही कारण है कि भाजपा व प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ के लिए यूपी का ये उपचुनाव अब प्रतिष्ठा का सवाल हो गया है।

क्योंकि लोकसभा चुनावों में मिली करारी शिकस्त के बाद से भाजपा के अंदर लगातार उठापटक मची हुई है। विरोधियों के साथ-साथ भाजपा के अपने भी उस पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बीच तनाव और आपसी कलह की खबरें भी लोकसभा चुनाव के परिणाम का ही असर रहीं। हालांकि, अब इसको कैसे भी करके पार्टी आलाकमान ने थोड़ा शांत कराया है। लेकिन सीएम योगी भी इस बात को काफी अच्छे से जानते हैं कि अगर उपचुनाव में भाजपा का गेम बिगड़ा और एक बार फिर समाजवादी पार्टी ने बीजेपी पर बढ़त बनाई, तो केशव प्रसाद की आवाज एक बार फिर बुलंद होने लगेगी और वो अपनी बिल में से बाहर आकर फिर से फुंफकार मारने लगेंगे। यही कारण है कि सीएम योगी इन उपचुनावों में आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं और उपचुनावों में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने में कोई कसर बाकी नहीं रख रहे हैं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि ये उपचुनाव सीएम योगी की अपनी साख के लिए भी काफी जरूरी हैं।

वैसे सिर्फ सपा-भाजपा ही नहीं बल्कि अन्य दल भी इन उपचुनावों पर नजर बनाए हुए हैं और इनमें बेहतर प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहे हैं। फिर वो चाहें बसपा हो, कांग्रेस हो या फिर चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) हो। ये सभी दल भी उत्तर प्रदेश के इन उपचुनावों के लिए अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। प्रदेश की जिन 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं उनमें करहल, मिल्कीपुर, सीसामऊ, कुंदरकी, गाजियाबाद, फूलपुर, मझवां, कटेहरी, खैर और मीरापुर विधानसभा की सीट शामिल है। ऐसे में इन दसों सीटों पर सभी दल अपनी-अपनी तैयारी में जुटे हैं। हालांकि, यहां मेन लड़ाई भाजपा और सपा के बीच इसलिए भी है क्योंकि इन 10 सीटों में से 5 सीटों पर एनडीए का कब्जा था। जबकि बाकी पांच सीटें सपा के कब्जे में थीं। हालांकि एनडीए की पांच सीटों में से गाजियाबाद, खैर व फूलपुर पर भाजपा, मीरापुर में रालोद व मझवां की विधानसभा सीट पर निषाद पार्टी काब्जा था। यानी अकेले भाजपा के पास सिर्फ तीन सीटें ही हैं। ऐसे में एक ओर बीजेपी का मकसद जहां अपनी तीन और एनडीए की पांच सीटों पर जीत हासिल करने के साथ-साथ सपा के पाले वाली भी कुछ सीटों को अपने में मिलाने का है। हालांकि, ये इतना आसान नहीं है। क्योंकि जिस तरह से लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की साइकिल दौड़ी है। और उसके बाद से जिस सक्रियता से सपा प्रमुख अखिलेश यादव इन उपचुनावों में जुटे हुए हैं। ऐसे में बीजेपी के लिए सपा के पाले से सीटें छीनना तो मुश्किल लगता है। हां, भाजपा के सामने अपनी सीटें बचाए रखना भी इस बार एक बड़ी चुनौती होगी। सपा-भाजपा के अलावा बसपा ने भी उपचुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। साथ ही 2027 के लिए भी अब खुद को तैयार करने की सोच रही है। बसपा सुप्रीमो मायावती 2027 विधानसभा चुनाव को जीतने के लिए पुराने फॉर्मूले पर लौट आई हैं, जिसके दम पर उन्होंने साल 2007 में जीत दर्ज की थी। बसपा संगठन को मजबूत करने के लिए मायावती बामसेफ का पुनर्गठन करेंगी। जिसमें आकाश आनंद की भूमिका बेहद अहम होने जा रही है। मायावती अब बसपा को मजबूत बनाने के लिए पार्टी संस्थापक कांशीराम के नुस्खे का इस्तेमाल करने की तैयारी में जुट गई है। जिसके तहत बसपा सालों बाद कांशीराम की पुण्यतिथि पर 9 अक्टूबर को लखनऊ में बड़ा कार्यक्रम आयोजित करेगी। जिसमें हर विधानसभा से लोगों को लाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही बसपा को मजबूत करने के लिए बामसेफ का पुनर्गठन भी किया जाएगा।

अयोध्या की मिल्कीपुर बनी हॉट सीट

वैसे तो सभी सीटों के लिए भाजपा और सपा अपनी-अपनी ताकत झोंक रहे हैं। लेकिन अयोध्या जिले की मिल्कीपुर सीट इन उपचुनावों में सबसे हॉट सीट है। जिस पर सभी की निगाहें लगी हुई हैं। मिल्कीपुर विधानसभा सीट सपा और भाजपा दोनों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बनी हुई है। मिल्कीपुर सपा के पाले की सीट है। मिल्कीपुर से सपा के वो ही विधायक अवधेश प्रसाद चुनाव जीते थे, जिन्होंने लोकसभा चुनाव में अयोध्या सीट यानी फैजाबाद लोकसभा सीट पर जीत हासिल कर भाजपा को चारों खाने चित कर दिया। वैसे तो लोकसभा चुनावों में पूरे यूपी का ही परिणाम भाजपा के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। लेकिन अयोध्या में भी मिली हार ने भाजपा के जख्मों पर नमक लगाने का काम किया है। मिल्कीपुर के विधायक अवधेश प्रसाद के सांसद बनने के बाद ये सीट खाली हुई है। अब इस पर चुनाव होना है। ऐसे में अयोध्या में मिली हार का बदला लेने के लिए भाजपा व सीएम योगी ने मिल्कीपुर विधानसभा सीट को अपनी प्रतिष्ठा से जोड़ लिया है। अब भाजपा किसी भी कीमत में मिल्कीपुर सीट को नहीं खोना चाहती है। क्योंकि अगर लोकसभा में मिली अयोध्या में करारी हार के बाद अब उपचुनाव में मिल्कीपुर विधानसभा सीट भी बीजेपी नहीं जीत पाई तो भाजपा की पूरे प्रदेश में काफी किरकिरी हो जाएगी। साथ ही हिंदुत्व का झंडा लेकर चलने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खाते में एक और माइनस पॉइंट जुड़ जाएगा। जो कि सीएम योगी बिल्कुल नहीं चाहते हैं। क्योंकि ये वो भी जानते हैं कि उनके माइनस प्वॉइंट को गिनने के लिए उनकी ही पार्टी के उनके ही सहयोगी कैलकुलेटर लिए बैठे हैं। इसलिए सीएम योगी ने मिल्कीपुर विधानसभा सीट को अपनी साख पर ले लिया है। इसीलिए इस सीट का प्रभारी भी सीएम योगी खुद ही हैं। और सीएम योगी लगातार मिल्कीपुर विधानसभा का दौरा कर रहे हैं। और वहां योजनाओं का पिटारा खोल रहे हैं। इस सबके पीछे मकसद एक ही है कि हर हाल में मिल्कीपुर सीट को इस बार सपा से छीनना है।

मुख्यमंत्री की भाषा का गिरता स्तर!

सीएम योगी की इस तरह की भाषा और इस तरह के बयान ये दर्शाते हैं कि उनके अंदर लोकसभा चुनावों में मिली हार की टीस अभी भी है। उसके बाद जिस तरह से उन्हें किनारे लगाने का पार्टी द्वारा प्रयास किया गया उसकी खीज अभी भी सीएम योगी के अंदर है। तभी उनकी भाषा का स्तर आए दिन गिरता जा रहा है। सीएम योगी के इस तरह के बयान देश के सबसे बड़े प्रदेश के मुख्यमंत्री के कम, किसी गुंडे-मवाली के ज्यादा लगते हैं। जाहिर है कि इस तरह की भाषा का प्रयोग करके और खुलेआम हिंदू-मुसलमान को बांटने की राजनीति करके सीएम योगी सिर्फ उपचुनाव में जीत हासिल कर अपनी इज्जत बचाना चाहते हैं। ताकि वो 2027 के विधानसभा चुनाव तक मुख्यमंत्री की गद्दी पर बचे रहें। अब देखना ये होगा कि जनता पर योगी आदित्यनाथ की इस भाषा और हिंदू-मुसलमान की इस सियासत का क्या असर पड़ता है और बीजेपी को इससे कितना लाभ मिल पाता है।

अपनी हिंदुत्व की छवि को धार देने में लगे सीएम योगी

उत्तर प्रदेश और अयोध्या में मिली करारी हार का ही नतीजा है कि सीएम योगी लोकसभा चुनावों के बाद से एक बार फिर खुला हिंदू-मुसलमान करने लगे हैं। अब सीएम योगी की अधिकांश बातों में आपको तुष्टिकरण और सांप्रदायिकता की राजनीति साफ दिख जाएगी। फिर वो चाहें 'बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो नेक रहेंगे', का बयान हो या फिर एक रेस्टोरेंट के उद्घाटन के समय 'यहां थूक वाली रोटी नहीं मिलेगी' दिया जाने वाला बयान हो। योगी आदित्यनाथ साफ तौर पर हिंदू-मुसलमान की राजनीति कर रहे हैं और खुद को हिंदुत्व का ब्रांड अंबेस्डर बनाकर प्रजेंट कर रहे हैं। इस सबके पीछे उनका मकसद एक ही है कि किसी भी तरह से वो हिंदुओं को एकजुट कर सकें, और लोकसभा चुनावों में हुए नुकसान की भरपाई करके उपचुनावों में बीजेपी की नैय्या को पार लगा सकें। इसी क्रम में बुधवार 19 सितंबर को सीएम योगी ने मिल्कीपुर का तीसरा दौरा किया। उन्होंने एक बार फिर यहां योजनाओं का पिटारा खोला।

कांग्रेस ने सभी 10 सीटों पर प्रभारी और पर्यवेक्षक बनाए

इंडिया गठबंधन की हिस्सा कांग्रेस पार्टी ने भी उपचुनाव की सभी 10 सीटों पर प्रभारी और पर्यवेक्षक के नामों का ऐलान कर दिया है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने खुद को मिर्जापुर की मंझवा विधानसभा सीट की जिम्मेदारी दी है। करहल विधानसभा सीट की जिम्मेदारी तौकीर आजम को दी गई है। फूलपुर का प्रभारी राजेश तिवारी को बनाया गया है, तो वहीं यहां का पर्यवेक्षक सांसद उज्जवल रमण सिंह को बनाया गया है। मिल्कीपुर की जिम्मेदारी पीएल पुनिया को दी गई है। अंबेडकर नगर के कटेहरी की जिम्मेदारी सत्यनारायण पटेल को दी गई है, गाजियाबाद की जिम्मेदारी कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना को दी गई है।

हमारे मुख्यमंत्री मठाधीश सीएम : अखिलेश

सियासी पारा दोनों तरफ से हाई हो रखा है। एक ओर सीएम योगी ने सपा को घेरते हुए अखिलेश यादव पर हमला बोला। तो सपा प्रमुख ने भी सीएम योगी के हमलों पर करारा पलटवार किया। भाजपा पर पलटवार करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार हर बात छिपाना चाहती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान अलग आ रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि मैंने कभी भी किसी साधु-संत के लिए कुछ नहीं कहा है। सीएम योगी पर तंज कसते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि जिसे क्रोध आता है वो योगी कैसे हो सकता है। इसलिए मैं कहता हूं कि हमारे सीएम मठाधीश मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि मेरी और योगी जी की तस्वीर सामने रख लो देखकर पता चल जाएगा कि मठाधीश कौन है। अखिलेश ने सीएम योगी पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यंत्री योगी एकमात्र ऐसे सीएम हैं जिन्होंने अपने ऊपर लगे मुकदमे वापस ले लिए हैं। आखिर उन्होंने अभी तक टॉप टेन माफियाओं की सूची क्यों नहीं जारी की है?

सपा के हाथ कारसेवकों के खून से रंगे : योगी

साथ ही समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर जमकर निशाना भी साधा। सीएम योगी ने कहा कि सपा सरकार में कारसेवकों पर गोलियां चलीं। उनके हाथ रामभक्तों के खून से रंगे हैं। इनको विवादित ढांचा प्यारा था, मगर उसे राम भक्तों ने नेस्तनाबूद कर दिया। अगर सपा का सारा कच्चा-चिट्ठा सामने आ जाए तो ये मुंह दिखाने लायक नहीं रहेंगे। योगी ने यहीं नहीं रुके, उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि जितने अपराध में लिप्त माफिया हैं सब इनके चचा जान थे। माफिया के आगे नाक रगड़ने वाले आज साधु-संतों को माफिया कहते हैं। आगे और भी आक्रामक होते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जैसे कुत्ते की दुम सीधी नहीं हो सकती, वैसे ही सपा के गुंडे सीधे नहीं हो सकते। इनसे लड़कर ही उन्हें सीधा किया जा सकता है। वो काम हमारी सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि जितना भी माफिया है, वह सब सपा से जुड़ा हुआ था। 2017 से पहले माफिया की सरकार चलती थी। बबुआ 10 बजे सो कर उठता था और हिस्सा-बांट करता था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

राजनीति में तार-तार होती भाषा की मर्यादा...

समय के साथ हर इंसान में, हर चीज में बदलाव आता है। जो कि एक सामान्य प्रक्रिया है। हालांकि, कभी ये बदलाव अच्छा होता है, लेकिन कभी ये बदलाव विपरीत होता है, जो कि पहले से बुरा होता है। देश की राजनीति में भी बदलाव आया है। अगर हम आजादी के वक्त की और आजादी के तुरंत बाद की राजनीति को देखें, तो वो तो काफी अलग थी। उस समय मतभेद होते थे, लेकिन मनभेद नहीं होते थे। साथ ही नेताओं की भाषा व उनके बयानों में एक मर्यादा देखने को मिलती थी। क्योंकि तब उनमें अपने विरोधियों के प्रति भी एक सम्मान रहता था। हालांकि, उसके बाद भी एक लंबे वक्त तक राजनीति का खेल इतना गंदा नहीं था, जितना पिछले कुछ वर्षों में हुआ है। पिछले लगभग कुछ सालों से सियासत का स्तर आए दिन गिरता ही जा रहा है। अब नेता एक-दूसरे पर सियासी हमले बोलते वक्त और बयान देते वक्त कई बार शब्दों की मर्यादा को भी भूल जाते हैं। ये काम किसी एक दल के नेता ही नहीं कर रहे हैं। लेकिन इसका असर पूरे देश की सियासत पर पड़ रहा है, जो राजनीति को और भी गंदा बना रहे हैं। ये लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।

पिछले कुछ सालों से सियासत का स्तर आए दिन गिरता ही जा रहा है। अब नेता एक-दूसरे पर सियासी हमले बोलते वक्त और बयान देते वक्त कई बार शब्दों की मर्यादा को भी भूल जाते हैं। ये काम किसी एक दल के नेता ही नहीं कर रहे हैं। लेकिन इसका असर पूरे देश की सियासत पर पड़ रहा है, जो राजनीति को और भी गंदा बना रहे हैं। ये लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।

ऐसे बयान तब और गंभीर हो जाते हैं व सियासत पर गहरा धब्बा लगाते हैं जब किसी बड़े नेता द्वारा ऐसे बयान दिए जाते हैं। यानी देश के प्रधानमंत्री या किसी राज्य के मुख्यमंत्री या विपक्ष के किसी बड़े दल के नेता के द्वारा। अक्सर चुनावों के वक्त नेताओं की जिभ्या का प्रवाह और भी तेज होता जाता है, जिसके चलते उनके मुंह से अक्सर ही ऐसे विवादित बयान निकल जाते हैं जिनसे उन्हें बचना चाहिए और जो उनके ही राजनीतिक दल को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इस बार के लोकसभा चुनावों के दौरान भी ये ही देखा गया। सत्ताधारी दल भाजपा और विपक्ष की ओर से भी शब्दों की मर्यादा को कई बार ताक पर रखा गया। हालांकि, इस बार सत्तापक्ष आगे रहा। अब जब एक बार फिर देश में चुनावी माहौल गरमाया हुआ है और उत्तर प्रदेश में भी 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों को लेकर सियासी गलियारों में गहमागहमी तेज है। इसको लेकर सत्तापक्ष भाजपा और विपक्षी दल सपा के बीच वार-पलटवार जारी है। इस बीच लोकसभा चुनावों में मिली हार से खीझे बैठे सीएम योगी ने बीते दिनों समाजवादी पार्टी को लेकर कुछ ऐसा बयान दिया जो देश के सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देता। सीएम योगी ने अयोध्या के मिल्कीपुर में सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि जैसे कुत्ते की दुम सीधी नहीं हो सकती, वैसे ही सपा के गुंडे सीधे नहीं हो सकते। अब एक मुख्यमंत्री को इस कदर की भाषा शोभा नहीं देती। बेशक विपक्ष पर आप हमला बोलें लेकिन आप एक राज्य के मुख्यमंत्री हैं कम से काम आपको भाषा की मर्यादा का तो मान रखना ही चाहिए।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रजिया सुल्तान से लेकर आतिशी की हुकूमत तक

विवेक शुक्ला

सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित के बाद, दिल्ली को एक बार फिर महिला मुख्यमंत्री मिल गई है, और वह हैं आतिशी। अब जब तक दिल्ली विधानसभा के चुनाव नहीं होते, वह मुख्यमंत्री बनी रहेंगी। हालांकि, उन्हें अरविंद केजरीवाल के निर्देशों का पालन करना होगा। उन्हें यह भी पता है कि विधायक, मंत्री और मुख्यमंत्री बनने का श्रेय मुख्य रूप से अरविंद केजरीवाल को जाता है, जो आम आदमी पार्टी (आप) की धुरी हैं। दिल्ली के इतिहास को खंगालें तो पता चलेगा कि दिल्ली की पहली महिला शासक रजिया सुल्तान थीं। उन्होंने 1236-1240 के बीच दिल्ली पर राज किया। रजिया सुल्तान, दिल्ली सल्तनत के गुलाम वंश के प्रमुख शासक इल्तुतमिश की बेटी थीं। इल्तुतमिश ने अपनी मृत्यु से पहले ही उन्हें अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था, क्योंकि उन्हें अपने किसी भी पुत्र में दिल्ली पर राज करने की क्षमता नहीं दिखी।

बहरहाल, रजिया सुल्तान के शासन के सात सौ साल से भी अधिक समय बाद, शीला दीक्षित 1998 में दिल्ली की मुख्यमंत्री बनीं। उन्होंने लगातार 15 वर्षों तक दिल्ली पर राज किया, जो कि किसी भी शासक के लिए एक लंबा कार्यकाल माना जाता है। उनका कार्यकाल दिल्ली के चौतरफा विकास के लिए सदैव याद रखा जाएगा। इसी दौर में दिल्ली में मेट्रो रेल की शुरुआत हुई और बिजली संकट का समाधान किया गया। अगर शीला दीक्षित का कार्यकाल सबसे लंबा रहा, तो सुषमा स्वराज का कार्यकाल मात्र दो महीने का था। वे 12 अक्टूबर, 1998 से लेकर 3 दिसंबर, 1998 तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं। इस छोटे से कार्यकाल में वे कोई अहम कदम जनता के हित में नहीं ले सकीं। भाजपा आलाकमान को साहिब सिंह वर्मा की जगह किसी को मुख्यमंत्री बनाना था, और सुषमा स्वराज के नाम पर सर्वानुमति बनी। इस बीच, डॉ. सुशीला नैयर को अज्ञात कारणों से 1952 में दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से दूर रखा गया था। उस समय देश के पहले लोकसभा चुनाव के साथ ही दिल्ली विधानसभा का चुनाव भी हुआ, जिसमें कांग्रेस को अभूतपूर्व विजय मिली।

सियासत और सार्वजनिक जीवन में कामकाज के लिहाज से डॉ. सुशीला नैयर के मुख्यमंत्री बनने की पूरी उम्मीद थी, लेकिन दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री

नांगलोई के विधायक चौधरी ब्रह्म प्रकाश बने। उन्होंने डॉ. सुशीला नैयर को स्वास्थ्य मंत्री बनाया। डॉ. सुशीला नैयर देव नगर से विधायक चुनी गई थीं और वे महात्मा गांधी की शिष्य तथा उनकी निजी चिकित्सक थीं। वे गांधी जी के निजी सचिव प्यारे नैयर की छोटी बहन भी थीं। जब गांधी जी ने 12 से 18 जनवरी, 1948 तक उपवास रखा, तब डॉ. सुशीला नैयर उनके स्वास्थ्य का ध्यान रख रही थीं। उन्होंने फरीदाबाद में ट्यूबरक्लोसिस सेनेटोरियम की स्थापना की और देशभर में डॉक्टरों को ग्रामीण क्षेत्रों में जाने के लिए प्रेरित किया। देखना होगा कि आतिशी का मुख्यमंत्री के रूप में सफर कितना यादगार रहता है। वर्ष 1996 में मदन लाल खुराना ने भी मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र दिया था, जब उनका नाम जैन हवाला कांड में आया था। तब उन्होंने भी लगभग वही कहा था जो अब केजरीवाल कह रहे हैं। खुराना ने कहा था कि एक बार वे कोर्ट से आरोपमुक्त होने के बाद फिर से मुख्यमंत्री बन जाएंगे। हालांकि, जैन हवाला केस से बरी होने के बाद भी खुराना मुख्यमंत्री नहीं बन सके। भाजपा आलाकमान ने उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी से दूर रखा, जिसके कारण खुराना अपने नेताओं के खिलाफ बयानबाजी करने लगे। इसके चलते उनकी सियासी पारी का अंत हो गया। अब देखना होगा कि केजरीवाल के भविष्य में क्या होता है। अभी अरविंद केजरीवाल को राजनीतिक रूप से खारिज करना समझदारी नहीं होगी। वे हर कदम बहुत सोच-समझकर उठाते हैं। यदि सब कुछ सही रहा, तो आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा या कांग्रेस के लिए उनकी आम आदमी पार्टी (आप) को चुनौती देना आसान नहीं होगा। आप के पास समर्पित कार्यकर्ताओं की एक मजबूत टीम है।

हालांकि, इस बार के दिल्ली विधानसभा चुनाव कांटे के होंगे। दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने के लिए कांग्रेस और भाजपा अपनी पूरी ताकत झोंक देंगी। भाजपा नेतृत्व इस बात को लेकर बेचैन है कि जिस शहर में जनसंघ और फिर भाजपा की स्थापना हुई, वहां की सत्ता से पार्टी 1998 से बाहर है। भाजपा को लगता है कि पिछले लोकसभा चुनाव में आप और कांग्रेस के मिलकर लड़ने के बावजूद उसने दिल्ली की सातों सीटों पर जीत हासिल की। दूसरी ओर, कांग्रेस अगला विधानसभा चुनाव अकेले ही लड़ने का फैसला कर रही है, और उसका दिल्ली में एक आधार भी है। कुल मिलाकर, आने वाले कुछ महीने दिल्ली की सियासत के लिए महत्वपूर्ण साबित होने वाले हैं।

सेवाओं की पेशेवराना दक्षता का क्षरण

गुरबचन जगत

कुछ हफ्ते पहले, सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता बलात्कार-हत्या मामले का संज्ञान लेते हुए इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी। यह बलात्कार और हत्या कांड इतना घिनौना था कि पूरे देश को झकझोर दिया। स्वत:स्फूर्त गुस्से और पीड़ा की भावना की अभिव्यक्ति -हिंसक और अहिंसक- दोनों किस्म के प्रदर्शनों के रूप में हुई, खास तौर पर डॉक्टरों के समुदाय में, जिन्होंने देश भर में हड़तालें की। सीबीआई से जिस त्वरित परिणाम की अपेक्षा थी, वह पूरी नहीं हुई। इस हस्तक्षेप के बाद भी, पूरे देश में बलात्कार और हत्या जैसी अन्य कई जघन्य वारदातें हुईं, लेकिन अदालतों या अन्य सामाजिक समूहों ने उन पर उतना ध्यान नहीं दिया। पहले के मामलों में भी, सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बावजूद ऐसे हिंसक बलात्कार और अन्य अपराध रुके नहीं और इस वाले से भी इनके रुकने की संभावना नहीं है।

हालांकि, यह मामला सीबीआई को सौंपना पूरी तरह से उचित था, परंतु मेरे जेहन में एक अलग विचार कौंध रहा है- क्योंकर सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों ने राज्य पुलिस बलों की व्यावसायिकता और ईमानदारी पर भरोसा खो दिया? नागरिकों का राज्य पुलिस और पुलिस थानों पर से यकीन क्यों उठ गया? यहां तक कि राज्य सरकारों और निचली अदालतों से भी? क्या यह सब रातों-रात हुआ या धीरे-धीरे इसलिए बढ़ता गया क्योंकि अब राजनेता सर्व-शक्तिमान होते जा रहे हैं और वे पुलिस बल एवं सरकार के अंदर और बाहर बैठे आपराधिक तत्वों की मदद से यह सारा खेल चला रहे हैं। इतिहास पर नज़र डालें तो, उस वक्त भ्रष्टाचार के केवल अति महत्वपूर्ण मामले ही अदालतों या राज्य अथवा केंद्र सरकारों द्वारा सीबीआई को सौंपे जाते थे। सूबों के अधिकारी मामलों के ऐसे हस्तांतरण पर तौहीन महसूस करते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि इससे उनकी कारगुजारी पर अंगुली उठती है। सीबीआई को अच्छे परिणाम भी मिले, क्योंकि एक तो इस पर काम का बहुत ज्यादा बोझ नहीं था, दूसरे इसकी शुरुआत केवल उच्च स्तर पर होने वाले भ्रष्टाचार की जांच करने वाली एक विशिष्ट एजेंसी के रूप में हुई थी।

किंतु राजनीतिक भुजा के लगातार मजबूत होते जाने और इससे जुड़े नैतिक पतन, एवं ईमानदारी में कमी होते देख लोगों ने मामले सीबीआई को सौंपने की मांग के साथ सीधे अदालतों का रुख करना शुरू कर दिया। राज्य और केंद्र सरकारें भी अपने-अपने वांछित परिणाम पाने को इसी राह का सहारा लेने लगीं, क्योंकि जब राजनीतिक निकाय का समग्र पतन हुआ तो सीबीआई भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई। अधिकारियों को विशेष रूप से नियुक्त किया गया ताकि तंत्र को और अधिक लचीला बनाया जा सके। सीबीआई ने भी विस्तार किया और अधिकांश राज्यों में शाखाएं खोलीं। हालांकि, इसने केंद्र सरकार की इच्छाशक्ति को और हवा दी और एक नई तफ्तीश संस्था के रूप में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का जन्म हुआ, काम इसका भी जांच करना है लेकिन अधिक ध्यान उन आतंकी गतिविधियों पर केंद्रित है, जिनका प्रभाव-क्षेत्र अंतर्राज्यीय हो। यहां भी, केंद्र सरकार की मनमर्जी है कि कौन सा मामला इसे सौंपना है। गृह मंत्रालय (एमएचए) की ओर से लगातार बयान आते रहते हैं कि सभी राज्यों में एनआईए कार्यालय खोले जाएंगे।

हमारे पास पहले से ही नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और राष्ट्रव्यापी जांच क्षेत्र के अधिकार से सशक्त बनाई गई ईडी है,इनके अलावा आईबी और रॉ भी हैं। हमारे पास अर्धसैनिक बल भी हैं,उनका कार्यक्षेत्र भी अखिल भारतीय है। कानून-व्यवस्था के मामले जिनसे निबटना राज्य पुलिस बलों के बूते के परे माना जाता है,उनके लिए अर्धसैनिक बल बने हैं। जरूरत पड़ने पर राज्य सरकारें इन बलों की मांग गृह मंत्रालय से कर सकती हैं या गृह मंत्रालय राज्य सरकार की नाममात्र मंजूरी के साथ उन्हें सीधे राज्य में भेज सकता है। सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, बीएसएफ, एसएसबी, आईटीबीपी आदि अनेक राज्यों में कई दशकों से लगातार तैनात हैं। कागजों पर वे राज्य पुलिस के अधीन काम करते हैं, लेकिन रोजमर्रा के कार्यों में स्वतंत्र हैं। तब फिर राज्य सरकार और इस तथ्य के बारे में क्या रह जाता है, जब कहा जाए कि संविधान के अनुसार कानून एवं व्यवस्था राज्य सरकारों का विषय है? पुलिस स्टेशन और जिले का एसपी पुलिस तंत्र के बुनियादी भाग होते हैं। लेकिन अतिरिक्त विभागीय हस्तक्षेपों ने दोनों को सत्तारूढ़ पार्टी का अनुचर बना डाला है।

इस ह्रास की कीमत राज्य पुलिस की व्यावसायिकता ने चुकाई है, इस गिरावट का विशेष रूप से असर अग्रणी स्तर पर यानि पुलिस स्टेशन और जिला एसपी पर हुआ है। यह दो जगहें ऐसी हैं,जहां पुलिस एवं जनता के बीच सीधा राब्ता होता है, लेकिन इस सम्पर्क में बहुत कुछ करने की जरूरत है। यह वह राब्ता नहीं है जिसमें नागरिक इस विश्वास के साथ वहां जाए कि उसे न्याय मिलेगा, बल्कि वह एक ग्राहक या याचक के रूप में जाता है। एक सुसंचालित और सुघड़ नेतृत्व वाला पुलिस स्टेशन वह होता है जिसके पास सर्वश्रेष्ठ मुखबिर तंत्र हो और यह सूचना एवं बढ़िया अभियान नीति होती है, जो सफलता दिलवाती है। हमने जम्मू-कश्मीर, पंजाब और उत्तर-पूर्व में आतंक व मध्य भारत, ओडिशा एवं आंध्र प्रदेश में माओवादी आंदोलनों में भी यही देखा है कि अभियान चलाने में सूचना सबसे सटीक वही होती है, जो पुलिस थाने से आती है। यही कारण है कि सेना सहित तमाम अभियान समूहों में स्थानीय पुलिस थाना एक महत्वपूर्ण घटक होता है।

बिना प्याज-लहसुन के तैयार करें कढ़ाई पनीर

जो लोग व्रत रहते हैं वह लोग प्याज-लहसुन से बनीं चीजों से अपने आप को दूर रखते हैं। तो अगर आप भी बिना प्याज-लहसुन के कुछ स्वादिष्ट बनाना चाहते हैं तो कढ़ाई पनीर तैयार कर सकते हैं। लोगों को लगता है कि बिना प्याज और लहसुन के खाने में स्वाद नहीं आता, लेकिन ऐसा नहीं हैं। अगर सही विधि से बिना प्याज-लहसुन के कढ़ाई पनीर बनाएंगे तो उसका स्वाद आप कभी भूल नहीं पाएंगे। बल्कि प्याज और लहसुन से बनने वाली सब्जियों का स्वाद भूल जाएंगे। कढ़ाई पनीर की स्वादिष्ट सब्जी आपको उंगलियां चाटने पर भी मजबूर कर सकती है। इसे बनाना भी काफी सरल है। जो प्याज और लहसुन से परहेज कर रहे हैं तो लंच या डिनर में बिना प्याज लहसुन वाली कढ़ाई पनीर की सब्जी को बनाकर खा सकते हैं।

सामान

पनीर - 250 ग्राम, शिमला मिर्च - 1, टमाटर - 2 बड़े, अदरक का पेस्ट, हरी मिर्च - 2, धनिया पाउडर - 1 छोटा चम्मच, जीरा - 1 छोटा चम्मच, गरम मसाला - 1/2 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर - 1 छोटा चम्मच, कसूरी मेथी - 1 छोटा चम्मच, ताजा हरा धनिया, तेल - 2 बड़े चम्मच, नमक - स्वादानुसार।

विधि

बिना लहसुन और प्याज के कढ़ाई पनीर बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को बराबर क्यूब्स में काट लें। पनीर को काटने के बाद इसे दस मिनट के लिए गर्म पानी में भिगो कर रख दें, ताकि ये नर्म हो जाए। जब तक पनीर पानी में है, तब तक शिमला मिर्च को बराबर आकार में काटकर अलग रख लें। इसके बाद टमाटर को भी बारीक काट लें। अब आपको सब्जी का तड़का लगाना है। तड़के के लिए सबसे पहले एक कढ़ाई में तेल गर्म करें। इसमें जीरा डालें और इसे तड़कने दें। अब कढ़ाई में अदरक का पेस्ट और बारीक कटी हरी मिर्च डालें। जब इसका कच्चापन खत्म हो जाए तो कढ़ाई में बारीक कटे टमाटर डालें। इसे तब तक पकाएं जब तक कि टमाटर पूरी तरह से गल न जाएं और तेल किनारे छोड़ने लगे। जब टमाटर तेल छोड़ने लगे तो इसमें सभी मसालों को डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। मसाले सही से भुनने के बाद कढ़ाई में शिमला मिर्च डालें और इसे तीन से चार मिनट तक पकाएं। सही से पकने के बाद मसालों में पनीर के टुकड़े डालें। अब इसमें स्वादानुसार नमक डालें। सब्जी को अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद इसमें कसूरी मेथी और गरम मसाला डालें। अब इसे 10 मिनट तक हल्की आंच पर पकने दें। जब ये पक जाए तो सब्जी को सजाने के लिए ऊपर से धनिया पत्ती डालें। बस आपकी ये बिना प्याज-लहसुन की कढ़ाई पनीर तैयार है।

घर पर ऐसे बनाएं स्प्रिंग रोल शीट

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे स्नैक्स खाना पसंद न हो। खासतौर पर बात करें भारतीय लोगों की तो हम भारतीय तो सुबह और शाम, दोनों समय अलग-अलग वैरायटी का नाश्ता करना पसंद करते हैं। सुबह के लिए तो ज्यादातर लोग ऐसी चीज खाते हैं जो हेल्दी के साथ ऐसी भी हो, जिससे पेट भरा रहे लेकिन शाम को हर किसी का मन चटाकेदार खाना खाने को करता है। ऐसे में वो अक्सर बाहर से खरीदकर चटाकेदार स्नैक्स खाते हैं। रोज-रोज बाहर का खाना खा के तबियत खराब होने का भी डर होता है। इसी वजह से महिलाएं अपने परिवार वालों के लिए घर पर ही स्नैक्स तैयार करती हैं। अगर आप भी कुछ स्वादिष्ट सा नाश्ता घर पर बनाने का सोच रही हैं तो स्प्रिंग रोल एक बेहतर विकल्प है। इसकी शीट भी अगर आप घर पर ही बनाएंगी, तो इसका स्वाद और बढ़ जाएगा।

सामान

स्प्रिंग रोल शीट बनाने के लिए 1 कप मैदा, 1/4 कप कॉर्न फ्लोर, 2 बड़े चम्मच रिफाइंड तेल, चौथाई चम्मच नमक, 1 बड़ा चम्मच तेल।

विधि

अगर आप स्प्रिंग रोल की शीट घर पर तैयार करना चाहती हैं तो आप सबसे पहले एक कटोरे में मैदा, कॉर्नफ्लोर और नमक को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा रिफाइंड डालकर इसे सही से मिलाएं। और अब जरूरत के हिसाब से इसमें पानी डालें और फिर मैदा धीरे-धीरे गूंथ लें। अब इस गूंथी हुई मैदा से छोटी-छोटी लोई बनाकर उसे बेल लें। ध्यान रखें कि ये आपको कागज की जितनी पतली बेलनी है। अगर आप चाहें तो एक साथ कई शीट बेल सकती हैं। इसके बाद इसे हल्का सेकना शुरू करें। हल्का-हल्का सेकने के बाद इसे रख लें। अब आप इससे स्प्रिंग रोल तैयार कर सकती हैं। स्प्रिंग रोल शीट बनाने का ये सबसे आसान तरीका है।

हंसना मना है

पोता- दादी आपने कौन-कौन से देश घूमे हैं? दादी-अपना पूरा हिंदुस्तान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, उजेबिस्तान, पोता- अब कौन सा घूमोगी, पीछे से छोटा पोता बोला.. कब्रिस्तान, दे चप्पल-दे चप्पल, कमर लाल कर दी..

एक युवती ने अपना मंगेतर सहेली को दिखाया तो वो बोली- 'लड़का तो ठीक-ठाक है, पर जब हंसता है तो इसके दांत बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते। 'युवती बोली- 'वैसे भी मैं शादी के बाद इसे हंसने का मौका ही कब दूंगी।'

मैडम दूध वाले से- छोरे पैंतीस साल का होने को आया, अब तो शादी करले! दूध वाला- नहीं नहीं! मैडम..क्यों? क्या हुआ? दूधवाला- मैं रोज सुबह पांच बजे उठ कर घरों में दूध देने जाता हूं, उस वक्त इन औरतों का ओरिजिनल चेहरा देख कर मेरी तो शादी करने कि हिम्मत ही नहीं होती।

प्लम्बर-सर, नल ठीक हो गया, लेबर चार्ज 800 रुपैये..इंजीनियर- अरे, 1 घंटे की इतनी फीस तो मेरी भी नहीं है! प्लम्बर- सर, जब मैं इंजीनियर था तो मेरी भी नहीं थी!

कहानी — सुकर्म का फल सूद सहित मिलता है

इन्सान जैसा कर्म करता है, कुदरत या परमात्मा उसे वैसा ही उसे लौटा देता है। एक बार द्रोपदी सुबह तड़के स्नान करने यमुना घाट पर गयी भोर का समय था। तभी उसका ध्यान सहज ही एक साधु की ओर गया जिसके शरीर पर मात्र एक लंगोटी थी। साधु स्नान के पश्चात अपनी दुसरी लंगोटी लेने गया तो वो लंगोटी अचानक हवा के झोंके से उड़ पानी में चली गयी और बह गयी। संयोगवश साधु ने जो लंगोटी पहनी वो भी फटी हुई थी। साधु सोच में पड़ गया कि अब वह अपनी लाज कैसे बचाए। थोड़ी देर में सुर्योदय हो जाएगा और घाट पर भीड़ बढ़ जाएगी। साधु तेजी से पानी के बाहर आया और झाड़ी में छिप गया। द्रोपदी यह सारा दृश्य देख अपनी साड़ी जो पहन रखी थी, उसमें आधी फाड़ कर उस साधु के पास गयी और उसे आधी साड़ी देते हुए बोली- तात मैं आपकी परेशानी समझ गयी। इस वस्त्र से अपनी लाज ढक लीजिए। साधु ने सकुचाते हुए साड़ी का टुकड़ा ले लिया और आशीष दिया। जिस तरह आज तुमने मेरी लाज बचायी उसी तरह एक दिन भगवान तुम्हारी लाज बचाएंगे। और जब भरी सभा में चीरहरण के समय द्रोपदी की करुण पुकार नारद ने भगवान तक पहुंचायी तो भगवान ने कहा- कर्मों के बदले मेरी कृपा बरसती है, क्या कोई पुण्य है द्रोपदी के खाते में. जांचा परखा गया तो उस दिन साधु को दिया वस्त्र दान हिसाब में मिला, जिसका ब्याज भी कई गुणा बढ़ गया था। जिसको चुकता करने भगवान पहुंच गये द्रोपदी की मदद करने, दुस्सासन चीर खींचता गया और हजारों गज कपड़ा बढ़ता गया। इंसान यदि सुकर्म करे तो उसका फल सूद सहित मिलता है, और दुष्कर्म करे तो सूद सहित भोगना पड़ता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष ऐश्वर्य के साधन मिलेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे।

वृषभ मेहनत सफल रहेगी। कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मिथुन पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे। रुका धन मिलेगा।

कर्क यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम न उठाएं। प्रसन्नता रहेगी। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी।

सिंह कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

कन्या डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला प्रसन्नता रहेगी। उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा। प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा। व्यापार में नए प्रस्ताव मिलेंगे।

वृश्चिक राजकीय बाधा दूर होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद।

धनु नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता का विशेष योग है। व्यापारिक निर्णय जल्दबाजी में न लें। कुसंगति से हानि होगी।

मकर आज प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। प्रमाद न करें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

कुम्भ यात्रा, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। संतान की शिक्षा संबंधी समस्या रह सकती है।

मीन आय में अधिक व्यय से मनोबल कमजोर पड़ सकता है। शत्रु परास्त होंगे। बेरोजगारी दूर होगी। व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें।

अब 'द साबरमती रिपोर्ट' में धूम मचाएंगे विक्रांत मैसी

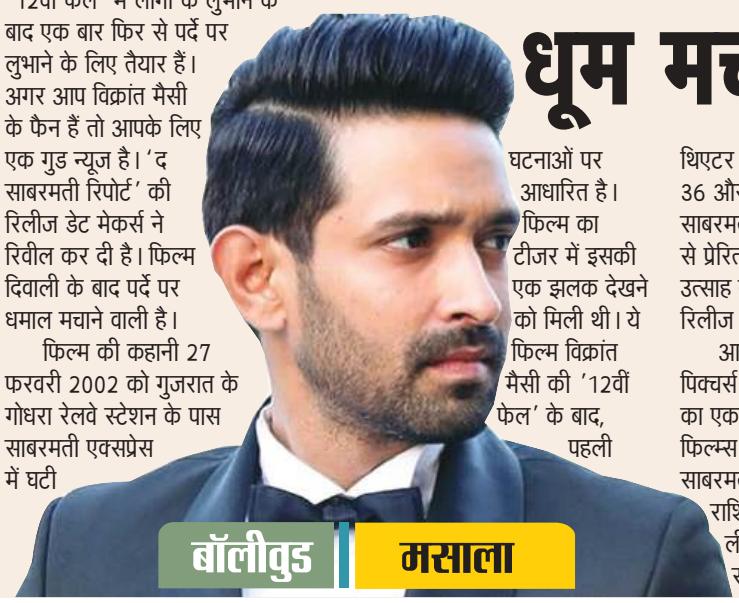

बॉलीवुड | मसाला

विक्रांत मैसी अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। 'सेक्टर 36 और '12वीं फेल' में लोगों के लुभाने के बाद एक बार फिर से पर्दे पर लुभाने के लिए तैयार हैं। अगर आप विक्रांत मैसी के फैन हैं तो आपके लिए एक गुड न्यूज है। 'द साबरमती रिपोर्ट' की रिलीज डेट मेकर्स ने रिवील कर दी है। फिल्म दिवाली के बाद पर्दे पर धमाल मचाने वाली है।

फिल्म की कहानी 27 फरवरी 2002 को गुजरात के गोधरा रेलवे स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस में घटी घटनाओं पर आधारित है। फिल्म का टीजर में इसकी एक झलक देखने को मिली थी। ये फिल्म विक्रांत मैसी की '12वीं फेल' के बाद, पहली थिएटर आउटिंग है। फिल्म 'सेक्टर 36 और '12वीं फेल' की तरह 'द साबरमती रिपोर्ट' भी सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। फिल्म के लिए बढ़ते उत्साह के साथ, मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट की घोषणा कर दी है।

आपको बता दें कि बालाजी मोशन पिक्चर्स (बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक डिविजन है) और विकिर फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा प्रेजेंट, 'द साबरमती रिपोर्ट' में विक्रांत मैसी, राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा लीड रोल में हैं। धीरज सरना द्वारा डायरेक्टेड यह फिल्म शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन ने मिलकर प्रोड्यूस की है।

नयनतारा की फीस सुन उड़ जायेंगे आपके होश

50 सेकंड की परफॉर्मेंस की 5 करोड़ रुपये लेती हैं फीस

नयनतारा साउथ की सबसे महंगी एक्ट्रेस है। इन्होंने बॉलीवुड में भी ब्लॉकबस्टर फिल्म में काम किया है और ये बेहद आलीशान लाइफ जीती हैं। इस हसीना की नेटवर्थ जानकर आपके पैरों तले जमीन खिसक जाएगी। इस एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में सिर्फ एक ही ब्लॉकबस्टर फिल्म दी है। फिर भी ये 50 सेकंड की परफॉर्मेंस के लिए 5 करोड़ रुपए फीस वसूलती है। ये अदाकारा बेशुमार दौलत की मालकिन हैं। इन्होंने प्रभास, शाहरुख खान सहित कई सुपस्टार्स के साथ काम किया है। चलिए जानते हैं आखिर ये हैं कौन?

हम जिस अभिनेत्री की बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं साउथ की सुपरस्टार नयनतारा हैं। नयनतारा ने साउथ में तमाम सुपर-डुपर हिट फिल्में दी हैं और उन्होंने शाहरुख खान के साथ ब्लॉकबस्टर 'जवान' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। नयनतारा ने तमिल फिल्म इंडस्ट्री में ज्यादा काम किया है। उन्होंने अपने दो दशकों से ज्यादा के करियर में 75 से अधिक फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग का लोहा मनवाया। नयनतारा आज देश की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस की लिस्ट में शामिल हैं। बता दें कि नयनतारा ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत मलयालम फिल्म मनासिनक्करे से की थी। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही थी। इसके बाद, अभिनेत्री ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और अय्या, चंद्रमुखी, गजनी और कई हिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं।

बता दें कि नयनतारा ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत मलयालम फिल्म मनासिनक्करे से की थी। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही थी। इसके बाद अभिनेत्री ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और अय्या, चंद्रमुखी, गजनी और कई हिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे मुंज्या से मिली बड़ी पहचान : शरवरी

फिल्म 'मुंज्या' से घर-घर पहचान बनाने वाली टैलेंटेड एक्ट्रेस शरवरी वाघ जॉन अब्राहम के साथ फिल्म 'वेदा' में भी नजर आई थीं। इस फिल्म में एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने फिर से दर्शकों को अपनी एक्टिंग से हैरान कर दिया था। यूं तो शरवरी ने अपने करियर में जितना काम किया वह उससे काफी एक्साइटेड हैं। लेकिन मुंज्या में काम करने पर वह खुद को भाग्यशाली मानती हैं। 'मुंज्या' साल 2024 की पहली हॉरर-कॉमेडी हिट हिंदी फिल्म साबित हुई है। इसमें शरवरी वाघ और अभय वर्मा ने लीड रोल निभाया है। इसके अलावा मोना सिंह और सत्यराज भी फिल्म का हिस्सा हैं। इस मूवी को ऑडियंस ने खूब पसंद किया और सिनेमाघरों में इसका जमकर लुत्फ उठाया है। इसके बाद फिल्म ने ओटीटी पर भी दर्शकों को खूब एंटरटेन किया। अब शरवरी ने कहा कि इस हॉरर कॉमेडी ने उन्हें बड़ी पहचान दी है। शरवरी की मुंज्या थिएटर और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर जबरदस्त हिट रही है। दिनेश विजान द्वारा निर्मित और आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित यह फिल्म सिनेमाघरों में 100 करोड़ के आंकडे को पार किया है। थिएटर और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर मिले प्यार को लेकर अभिनेत्री शर्वरी ने कहा, मैं वास्तव में भाग्यशाली हूं कि मुंज्या ने थिएटर, स्ट्रीमिंग और सैटेलाइट पर ब्लॉकबस्टर हैट्रिक बनाई है। मेरे जैसे किसी व्यक्ति के लिए अपने करियर के इस पड़ाव पर ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचना बहुत जरूरी है।' अपनी बात आगे रखते हुए शरवरी ने कहा, फिल्म 'मुंज्या' की अविश्वसनीय सफलता की कहानी का मतलब है कि मेरा प्रदर्शन इतने सारे लोगों तक पहुंच गया है। यह मेरे करियर की शुरुआत में एक बहुत बड़ा परिणाम है और मैं अपने निर्माता दिनेश विजन और अपने निर्देशक आदित्य सरपोतदार की वास्तव में आभारी हूं कि उन्होंने मुझे 'मुंज्या' के लिए चुना। यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने से कम नहीं है।

इदरीशपुर में हर इंसान के नाम में आता है राम या कृष्ण, कोई नहीं करता मांस-मदिरा का सेवन

अरे ऐसा भी होता है क्या! ये कैसा गांव है, जहां हर किसी का नाम एक जैसा है। चाहे महिला हो या पुरुष, इस गांव में रहने वाले हर इंसान के नाम में राम या कृष्ण शामिल होता है। इस गांव का नाम है इदरीशपुर, जो बागपत जिले में आता है। लोग रोजाना भक्ति में डूबे रहते हैं। भक्ति का ही असर है कि पूरे गांव में कोई मांस तक नहीं खाता। आइए जानते हैं इस खास अनोखे गांव के बारे में।

बागपत जिले में इदरीशपुर नाम का एक गांव है। जहां के प्रत्येक व्यक्ति के नाम में श्री राम और श्री कृष्ण शामिल है। घरों में रोजाना प्रभु की आरती की जाती है। घंटों पूरा गांव प्रभु के लिए भजन किर्तन करता रहता है। इस गांव में 15 से ज्यादा कुटियां हैं, जहां हर सप्ताह रामचरितमानस का पाठ और अन्य धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। ग्रामीण सतबीर सिंह ने बताया कि इदरीशपुर भगवान राम की नगरी है। यह गांव प्राचीन समय से ही बड़े और सिद्ध संतों का निवास स्थान रहा है। उन्हीं संतों की प्रेरणा से यहां ग्रामीणों में प्रभु के प्रति इतना लगाव हो गया। उन्होंने बताया कि इस पूरे गांव में कोई भी व्यक्ति मांस-मदिरा का सेवन नहीं करता है। यहां हर साल भागवत और रामकथा का आयोजन किया जाता है। सभी के नाम प्रभु के नाम पर रखा गया है। यहां महीने में एक बार रामायण का पाठ चलता है और कीर्तन हर रोज होता है। इस गांव में कोई भी नशे का सेवन नहीं करता। सभी लोग भक्ति में लीन रहते हैं। इस गांव में करीब 15 कुटी हैं। एक बड़ा आश्रम है। लोग यहां पूजा अर्चना करते हैं और बड़े-बड़े संत इस गांव में रहकर लोगों को भक्ति के प्रति जागरूक करते रहे हैं। लोगों में भगवान राम और भगवान श्री कृष्ण के प्रति बड़ी आस्था है। बच्चों को शुरू से ही भक्ति के संस्कार दिए जाते हैं, जिससे यह गांव भगवान श्री कृष्ण, भगवान श्रीराम का गांव कहा जाता है।

अजब-गजब | बाड़मेर के श्मशान पर लॉकरों में बंद हैं अस्थियां

156 अस्थियां कर रही हैं अपनों का इंतजार

कहते हैं कि कोई कितना भी गरीब क्यों ना हो, वह अपनों की मौत के बाद उनकी अस्थियों को हरिद्वार ले जाकर गंगा नदी में जरूर प्रवाहित करता है। लेकिन इन बातों से परे भारत-पाकिस्तान सीमा पर बसे बाड़मेर में सैकड़ों अस्थियां अपनों का इंतजार कर रही हैं। एक तरफ जहां श्राद्ध पक्ष में लोग अपने दिवंगत के लिए श्राद्ध कर रहे हैं, जबकि बाड़मेर में 156 दिवंगत अपनों का इंतजार अस्थियों के रूप में कर रहे हैं।

बाड़मेर जिला मुख्यालय स्थित सार्वजनिक श्मशान घाट में 156 लॉकर में यह अस्थियां बरसों से अपनों की राह देख रही हैं। लेकिन उनके अपने श्मशान की तरफ मुंह तक नहीं कर रहे हैं। इस पूरे मामले में सबसे चौकाने वाली बात यह है कि श्मशान घाट में एक दर्जन के करीब अलग-अलग अलमारियों के जिन-जिन लॉकर में अस्थियों को रखा गया है, उनपर ताले उनके परिजनों के इंतजार में लगाए हुए हैं, जिसके चलते श्मशान विकास समिति यह भी पता नहीं कर पा रही है कि यह अस्थियां आखिर किसकी हैं।

सनातन धर्म में माना जाता है कि तर्पण और श्राद्ध से पितृ खुश होकर अपने वंशजों को सुख, समृद्धि और संतान के सुख का आशीर्वाद देते हैं। लेकिन मान्यता के ठीक उलट, सरहदी बाड़मेर जिले के सार्वजनिक श्मशान घाट के लॉकरों में बंद पुरखों की अस्थियां तर्पण के लिए बरसों से वंशजों का इंतजार कर रही हैं। आलम यह है कि हरिद्वार में उन अस्थियों को प्रवाहित करना तो दूर, लोग इन अस्थियों को अपने घर तक नहीं ले जा रहे हैं।

शमशान विकास समिति के सयोंजक भैरोसिंह फुलवरिया ने बताया कि कोविड 19 की दूसरी लहर के बाद अब पहली बार अस्थियों से श्मशान घाट के लॉकर फुल हो चुके हैं। समिति ने लोगों से अपील की है कि जिनके परिवार के लोगों की अस्थियां हैं, वह इसे यहां से ले जाएं और उसका विसर्जन कर दें। फुलवरिया के मुताबिक, एक तरफ जहां श्राद्ध पक्ष में लोग अपने दिवंगत अपनों के लिए श्राद्ध कर रहे हैं, जबकि बाड़मेर में 156 दिवंगत अपनों का इंतजार अस्थियों के रूप में कर रहे हैं।

भाजपा सरकार में महिला विरोधी अपराध बेकाबू : राहुल

» ओडिशा में सैन्य अधिकारी की मंगेतर के साथ यौन दुर्व्यवहार पर भड़के नेता प्रतिपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एकबार फिर एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला है। ओडिशा के एक थाने में एक सैन्य अधिकारी पर कथित हमले और उसकी मंगेतर के साथ यौन दुर्व्यवहार की घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और दावा किया कि भाजपा सरकार में महिलाओं के विरुद्ध अपराध पूरी तरह बेकाबू है। ज्ञात हो कि ओडिशा पुलिस ने बुधवार को भुवनेश्वर के भरतपुर पुलिस थाने में एक सैन्य अधिकारी पर कथित हमले और उसकी मंगेतर के साथ यौन दुर्व्यवहार करने के आरोप में पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया था।

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, ओडिशा में घटित भयावह घटना ने देश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस से मदद मांगने गए एक सैन्य अधिकारी को बेरहमी से पीटा गया और उनकी मंगेतर को हिरासत में उत्पीड़ित किया गया। यह घृणित घटना पूरी मानवता को शर्मसार करने वाली है। कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके राहुल ने सवाल किया कि जब सरकारी तंत्र के ही भीतर अन्याय पनपता और शरण पाता है, तो आम नागरिक सहायता की आस किससे लगाए। उन्होंने कहा, इस घटना के सभी दोषी सख्त से सख्त कानूनी सजा के पात्र हैं। उनके खिलाफ़ कड़ी कार्रवाई कर आज भारत की जनता, खास कर महिलाओं के समक्ष न्याय और सुरक्षा की मिसाल पेश करने की दरकार है।

आम जनता मदद की आस किससे लगाए

भाजपा की सरकारें पुलिस को भक्षक बना रहीं : प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ओडिशा की घटना को लेकर एक्स पोस्ट किया, ओडिशा में पुलिस से मदद मांगने गए सेना के ऑफिसर की मंगेतर के साथ पुलिस ने जिस तरह बर्बरता और यौन हिंसा की, उससे पूरा देश स्तब्ध है। उन्होंने कहा, अयोध्या में सामूहिक दुष्कर्म पीड़ित दलित लड़की के साथ पुलिस ने अन्यायपूर्ण बर्ताव किया और न्याय दिलाने की जगह उस पर ही दबाव बनाया, क्योंकि खबरों के अनुसार आरोपी भाजपा से जुड़े है। उन्होंने दावा किया कि देश भर में भाजपा की सरकारें पुलिस को रक्षक से भक्षक बना देने की नीति पर काम कर रही है तिा भाजपा सरकारों में महिला अपराधों के प्रति पुलिस का आपराधिक रवैया दरअसल सत्ताधारियों का संरक्षण पाकर फलता-फूलता है। प्रियंका गांधी ने सवाल किया कि ऐसे हालात में देश की महिलाएं सुरक्षा और न्याय के लिए क्या करें, कहां जाएं?

जिम्मेदारों की अनदेखी से गड्ढों में बदलीं सड़कें

» पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से कस्बा दोस्तपुर के बाईपास का बुरा हाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुलतानपुर। ऐसा माना जाता है कि सुलतानपुर जिले की दुर्गा पूजा कोलकाता के बाद देश में द्वितीय स्थान रखती है, जिसके लिए महीनों पहले से पंडाल बनने शुरू हो जाते हैं तो वहीं बंगाल के कारीगर कई महीनों पहले से डेरा जमाकर माँ की प्रतिमाओं को तैयार करने में जुट जाते हैं। ऐसे भव्य आयोजन के लिए प्रशासन भी कमर कस के तैयार रहता है।

जिले के कस्बा दोस्तपुर में नवरात्रि के आयोजनों के दौरान ही रामलीला का भी भव्य आयोजन होता है, ऐसे में लगभग दस दिनों तक कस्बे का मुख्य मार्ग शाम के समय से मध्य रात्रि तक आवागमन के लिए बाधित रहता है। कस्बे के बाहर से वैकल्पिक मार्ग है जो ब्लॉक चौराहा दोस्तपुर को बरौली होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ता है। यह मार्ग अन्य महीनों में भी कस्बे में लगने वाले जाम को कम करने लिए इस्तेमाल किया जाता है। इस मार्ग पर दो से तीन फीट गहरे गड्ढे हो गए हैं, बड़े वाहन भी जैसे-तैसे ही निकल पाते हैं, ट्रैक्टर-ट्राली जैसे वाहन आये दिन इस पर पलटते रहते हैं, वहीं बड़े गड्ढो की वजह से छोटी गाड़ियों का तो निकलना मुमकिन नहीं दिखता।

वैकल्पिक मार्ग का त्योहारों के दौरान होता है प्रयोग

बारिश हुई तो सड़कें बनेंगी तालाब

अगर कही बारिश हो गयी तो ये सड़क तालाब में बदल जाएगी। गौरतलब है इस सड़क के न सही होने से प्रयागराज से अयोध्या, बस्ती को जाने वाले एवं आस-पास से क्षेत्र से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के रास्ते यात्रा करने वालों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ेगा। दुर्गा पूजा एवं रामलीला से आयोजन को चंद दिन ही बचे हैं लेकिन जिम्मेदार बेखबर हैं, ऐसे में बिना सड़क के गड्ढो को भरे यदि डाइवर्जन किया गया तो ये किसी बड़ी घटना को आमंत्रण दे सकता है।

किसान-कमेरों का भला करने के लिए राजनीतिक ताकत जरूरी

» चन्द्रशेखर आजाद बोले- जब-जब नौजवान खड़ा हुआ है, लोगों का भला किया है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आजाद समाज पार्टी-कांशीराम के अध्यक्ष और सांसद चन्द्रशेखर आजाद ने कहा, हम राजस्थान में चूक गए थे, राजस्थान में हम 12 सीटों पर तीसरे नंबर पर और 3 सीटों पर दूसरे नंबर पर रहे लेकिन हमारा प्रयास है कि हम हरियाणा में नहीं चूकेंगे... हम नौजवान लोगों ने बीड़ा उठाया है। उन्होंने कहा राजनीति में जिनकी पास ताकत नहीं होती वो कोई काम नहीं कर पाते।

आजाद ने कहा, इतिहास गवाह है जब-जब नौजवान खड़ा हुआ है उसने लोगों का भला किया है, भगत सिंह जब खड़े हुए थे तो गोरे भाग गए थे, यहां जो सरकारें हैं, उनको भी सबक सिखाना है और अपने लोगों को मौका देना है, मैं ये मानता हूं कि राजनीति में जिनके पास ताकत नहीं होती वो कोई काम नहीं कर पाते। उन्होंने आगे कहा, हमें राजनीतिक ताकत हासिल करनी, है किसान-कमेरो का भला करना है, बहन-बेटियों के सम्मान की रखवाली करनी है, अपनी फसलों और अपनी नस्लों पर दुश्मन की निगाह नहीं पड़ने देनी इस बात की जिम्मेदारी का हमें अहसास है।

मुस्लिम विरोधी है भाजपा सरकार : उमर

» बोले- आजादी के बाद बिना मुस्लिम मंत्री वाली पहली सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेंढरा-जम्मू। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने केंद्र की भाजपा नीत सरकार को मुसलमान-विरोधी करार देते हुए कहा कि आजादी के बाद यह पहली ऐसी सरकार है जिसमें देश में 14 प्रतिशत मुस्लिम आबादी होने के बाद भी एक भी मुस्लिम मंत्री नहीं है। अब्दुल्ला ने नेकां के नरम अलगाववादी होने के भाजपा के आरोप पर पलटवार करते हुए सवाल किया कि तो फिर क्यों पिछले 35 सालों में उनके पार्टी के 4000 से 4500 कार्यकर्ताओं, पार्टी पदाधिकारियों, विधायकों एवं विधानपरिषद सदस्यों की जान गई।

गृह मंत्री जो यहां आकर मुसलमानों से वोट मांगेंगे, उनसे पूछा जाना चाहिए कि केंद्र सरकार में हमारा कोई प्रतिनिधि क्यों नहीं है? भाजपा पर प्रहार जारी रखते हुए नेकां उपाध्यक्ष ने कहा, दो प्रतिशत आबादी वाले सिख समुदाय का सरकार में एक प्रतिनिधि है, जबकि 14 प्रतिशत आबादी वाले मुसलमानों को वही अधिकार नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा, आपको हमारा प्रतिनिधित्व करने के लिए एक भी मुस्लिम चेहरा नहीं मिल सका।

भाजपा ने मुस्लिमों के लिए क्या किया

क्या हम इस भाजपा को वोट देंगे जो हमारी मस्जिदों, विद्यालयों और मदरसों पर ताला लगा रही है, उत्तर प्रदेश में मुसलमानों की दुकाने को गिरा रही है और हमारी लड़कियों से स्कूल में आने से पहले हिजाब हटाने को कह रही है। उन्होंने कहा, क्या भाजपा इसके लिए वोट मांगेगी। उसने हमारे लिया क्या किया है?

बीजेपी के दावे और जमीनी हकीकत के बीच फर्क

आतंकवादियों और पाकिस्तान के एजेंडे पर नेकां के चलने के भाजपा के आरोप पर उमर अब्दुल्ला ने भाजपा के दावे और जमीनी हकीकत के बीच फर्क बताया। विकास प्रयासों में कमी को लेकर भाजपा की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा डबल इंजन सरकार की शेखी बघारने को लेकर वह वह गृह मंत्री से सवाल करना चाहते है। नेकां उपाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी जम्मू-कश्मीर में विकास चाहती है, लेकिन 10 साल तक यहां डबल इंजन की सरकार रही है - पहले मुफ्ती मोहम्मद सईद, फिर महबूबा मुफ्ती और अब राज्यपाल और उपराज्यपाल के अधीन - लेकिन मेंढर में कोई प्रगति नही दिखी।

चेन्नई टेस्ट में भारतीय टीम ने कसा शिकंजा

» तीसरे दिन लंच तक 432 रन की ली कुल बढ़त

» भारत ने दूसरी पारी में तीन विकेट पर बनाये 205 रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई । भारत और बांग्लादेश के बीच चेन्नई में जारी पहले टेस्ट का आज तीसरा दिन है। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 376 रन बनाए थे। वहीं, बांग्लादेश की पहली पारी 149 रन पर सिमट गई थी। फिलहाल भारत की दूसरी पारी जारी है। इंडिया ने अपनी बढ़त को 432 रन कर ली है। तीसरे दिन लंच तक भारत ने अपनी दूसरी पारी में लंच तक तीन विकेट गंवाकर 205 रन बना लिए हैं। ऋषभ पंत 82 और शुभमन गिल 86 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच अब तक चौथे विकेट के लिए 138 रन की साझेदारी हो चुकी है। आज पहले सत्र में दोनों ने आक्रामक बल्लेबाजी की। बांग्लादेश के गेंदबाजों की दोनों बल्लेबाजों ने जमकर खबर ली और पहले सत्र में महज 28 ओवर में 124 रन जोड़े। वहीं भारत ने आज तीन विकेट पर 81 रन से आगे खेलना शुरू किया था। शुभमन गिल और ऋषभ पंत के बीच चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी हुई है। दोनों ने सुबह से बेहतरीन बल्लेबाजी की है।

पंत-गिल के बीच शतकीय साझेदारी

बुमराह ने 400 इंटरनेशनल विकेट लेकर रचा इतिहास

जसप्रीत बुमराह ने भारत और बांग्लादेश के बीच चेन्नई में खेले जा रहे टेस्ट मैच में शानदार गेंदबाजी की। इस दौरान बुमराह ने इस मुकाबले में 400 इंटरनेशनल विकेट पूरे कर लिए हैं। वे भारत की ओर से 400 या उससे ज्यादा इंटरनेशनल विकेट लेने वाले 10वें गेंदबाज हैं। बुमराह ने पूर्व भारतीय गेंदबाज हरभजन सिंह का एक रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इसके साथ ही वे एक खास लिस्ट में भी शामिल हो गए हैं। बुमराह ने भारत के लिए अभी तक 196 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इस दौरान 227 पारियों में 400 विकेट झटके, बुमराह का एक पारी में 19 रन देकर 6 विकेट लेना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। उन्होंने भारत के लिए सबसे कम पारियों में 400 विकेट लेने के मामले में भज्जी को पीछे छोड़ दिया है। बुमराह ने 227 पारियों में ये कारनामा किया है। जबकि हरभजन सिंह ने 237 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की थी। इस लिस्ट में रविचंद्रन अश्विन टॉप पर हैं, उन्होंने 216 पारियों में 400 विकेट ले लिए थे। जबकि कपिल देव ने 220 पारियों में 400 विकेट पूरे किए थे।

केजरीवाल के लिए सरकारी आवास की मांग पर बवाल

» आप पर भाजपा-कांग्रेस ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के लिए सरकारी आवास की मांग की है। आप का कहना है कि नियम के हिसाब से राष्ट्रीय पार्टी के संयोजक को आवास देने का प्रावधान है। ऐसे में केजरीवाल को सरकारी आवास मिलना चाहिए। इस पर कांग्रेस व भाजपा ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने कहा कि केजरीवाल क्या शीश महल छोड़ने के अपने वादे से पीछे हट रहे हैं? वहीं, भाजपा ने इस तरह की मांग को हैरान करने वाला बताया है।

राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के लिए केंद्र सरकार से सरकारी आवास आवंटित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा नहीं, बल्कि साधन है। केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। वह जल्द ही आवास समेत सभी सुविधाएं त्याग देंगे। आप ने सोशल मीडिया पर मेरा घर केजरीवाल के नाम हैस टैग अभियान चलाया है। इस अभियान का हिस्सा बनकर काफी लोग पूर्व मुख्यमंत्री से उनके घर में आने की अपील कर रहे हैं। इसमें झुग्गी में रहने वाले लोग भी शामिल हैं। उनका कहना हे कि आप सरकार के कारण उन्हें काफी राहत मिली।

आप ने सोशल मीडिया पर चलाया अभियान

बंगले की मांग हैरान करने वाली : प्रवीण शंकर कपूर

प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि पिछले 48 घंटे में अरविंद केजरीवाल के लिए बंगले की मांग ने दिल्ली वालों को चकित कर दिया। उन्होंने केजरीवाल सरकार और आप की नीतियों पर प्रश्न उठाते हुए उनके स्वच्छ और ईमानदारी के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि पहले केजरीवाल कोई सुविधा नहीं लेने की बात करते थे, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। कपूर ने सलाह दी कि आप के नेता मीडिया के माध्यम के बजाए सीधे संबंधित विभाग को आवेदन दें। उन्होंने उम्मीद जताई कि केजरीवाल अब अपने सादगी के वादे को निभाएंगे और छोटे आवास में रहेंगे।

क्या शीश महल छोड़ने के वादे से पीछे हट रहे हैं केजरीवाल : देवेंद्र यादव

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने अरविंद केजरीवाल के मकान के संबंध में आप के नेताओं के बयानों पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि संजय सिंह ने अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री निवास छोड़कर जनता के बीच रहने की बात की थी, जबकि राघव चड्ढा उनके लिए सरकारी आवास की मांग कर रहे हैं। यादव ने कहा कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय पार्टियों के अध्यक्षों को आवास आवंटित नहीं करती, बल्कि केवल राष्ट्रीय कार्यालयों के लिए आवास आवंटित किए जाते हैं। उन्होंने इसे गैर-सांविधानिक बताया और कहा कि केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद सरकारी आवास भी खाली करना होगा।

रवि कभी मरते नहीं!

रवि की जीने की जिद ने मौत के समय को पछाड़ दिया

फिल्म निर्देशक अविनाश दास ने वरिष्ठ पत्रकार रवि के साथ बिताए दिनों को याद किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। जनवरी, 2021 में रवि मुंबई आये थे। रांची में डॉक्टरों को कुछ शक़ हुआ, तो उन्हें टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल रेफ़र किया गया था। जब मालूम पड़ा कि रवि को आखिरी स्टेज का लंग्स कैंसर है, उस वक्त मैं उनके साथ था। ज़ाहिर है, हमारे पैरों के नीचे की ज़मीन गायब हो चुकी थी। रवि रोने लगे। लेकिन उसके बाद से मैंने कभी रवि को रोते नहीं देखा।

उसी दिन उन्होंने तय कर लिया था कि अगर उनके पास कम से कम छह महीने हैं, तो इन छह महीनों में क्या-क्या करना है और अधिकतम साल भर है, तो साल भर में क्या-क्या करना है। वह बचे हुए जीवन को जीने के लिए इस रफ्तार में दौड़े कि मौत को उन तक पहुंचने में लगभग चार साल लग गये। डॉक्टरों की दी हुई समय सीमा से बहुत ज़्यादा जी कर गये। इसकी वजह उनकी जिजीविषा के अलावा और कुछ नहीं थी। हम नब्बे के दशक के आखरी सालों में एक दूसरे से जुड़े। प्रभात ख़बर में काम करते हुए जब हरिवंश ने मुझे चंद्रशेखर रचनावली के संपादन के लिए दिल्ली भेजा और इस काम के लिए मुझे कोई सहयोगी साथ रखने को कहा, तो मैं रवि को अपने साथ ले गया। उसके बाद रवि ने पीछे मुड़ कर नहीं देखा। प्रभात खबर के देवघर संस्करण का पहला संपादक मैं था और मेरे बाद रवि को हरिवंश ने मेरी जगह भेजा। रवि जागरण और भास्कर समूह का अहम हिस्सा रहे। आखिरी वर्षों में बीबीसी से जुड़े और इस मीडिया ग्रुप ने उनकी बीमारी जाहिर होने के बाद जिस तरह से उनका साथ दिया, वह अद्भुत है, अनुकरणीय है।

90 के दशक में मैं और रवि एक साथ रहे

वह हमेशा मुस्कुराते रहते थे

रवि कीमो के लिए थोड़े थोड़े महीनों पर जब भी मुंबई आते, हमारी मुलाक़ात होती थी। वह हमेशा मुस्कुराते हुए और उत्साह से भरे हुए नज़र आते थे। जैसे कैंसर ने उन्हें कोई अलौकिक ऊर्जा दे दी हो। बचे हुए जीवन को वह बादशाह की तरह जीना चाहते थे और जी रहे थे। उन्होंने इस दरम्यान के हर पल को अपने कैमरे में क़ैद किया। कैंसर वाला कैमरा, की प्रदर्शनी शृंखलाएं आयोजित की और उससे होने वाली आमदनी का बड़ा हिस्सा दूसरे कैंसर पीड़ितों की मदद के लिए दान में दिया।

पत्नी ने निभाई जुझारू महिला की भूमिका

यह देखना भी कमाल था कि इस बीच उनकी पत्नी संगीता एक बेहद घरेलू महिला से किस तरह जुझारू महिला के रूप में सामने आयीं। यह जो तस्वीर है, संगीता जी ने ही ली थी - जब मैं दो साल पहले परेल के पास तारदेव में उनसे मिलने गया था। मुझे परसों उनके बेटे प्रतीक ने कॉल किया और कहा कि पापा की तबीयत बिगड़ रही है और अब शायद ही संभले। उसने मुझसे साफ-साफशब्दों में कहा कि सच बताऊं अंकल तो अब कुछ घंटे ही हैं। उसकी आवाज़ में जरा सी भी थरथराहट नहीं थी। आज भी जब मैं हॉस्पिटल पहुंचा, तो उससे पूछा कि सब ठीक है न - उसने बड़े ही संयत स्वर में कहा, ही पास्ड अवे! कब? दस मिनट पहले। प्रतीक अभी अभी आईआईटी दिल्ली से पढ़ कर निकला है और जीवन संघर्ष के नये दौर से मुख़ातिब है। उसे देख कर लगता है कि अब कोई भी झंझावात उसके आगे मामूली चीज़ होगी। वह अचानक से बहुत बड़ा हो गया है। हम सबसे भी बड़ा।

आखिरी यात्रा में रहूंगा साथ

कल रवि का पार्थिव शरीर रांची पहुंचेगा। मैं भी साथ जा रहा हूं। वहां प्रेस क्लब में उन्हें दर्शनार्थ रखा जाएगा। मैंने रवि के साथ बहुत सारी यात्राएं की हैं। यह आखिरी यात्रा भी मेरे हिस्से में लिखी थी।

मणिपुर में नहीं संभल रहे हालात

» म्यांमार से 900 कुकी उग्रवादियों की घुसपैठ के बाद सुरक्षा अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में काफी समय से हिंसा चल रही हैं। मणिपुर में सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है, क्योंकि खुफिया इनपुट के अनुसार म्यांमार से 900 से अधिक कुकी उग्रवादियों के राज्य में घुसपैठ करने की बात सामने आई है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि कथित तौर पर वे 30-30 सदस्यों की इकाइयों में समूहबद्ध हैं और वर्तमान में परिधि में बिखरे हुए हैं और 28 सितंबर 2024 के आसपास मैतेई गांवों पर कई समन्वित हमले करने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र में डरपोक सरकार: राउत

» पीएम मोदी को एक राष्ट्र-एक चुनाव पर घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार द्वारा मुंबई विश्वविद्यालय के सीनेट चुनाव को दूसरी बार स्थगित करने के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। राउत ने हाल ही में कैबिनेट द्वारा पारित एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर सरकार बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव, मुंबई विश्वविद्यालय सीनेट चुनाव कराने के लिए तैयार नहीं थी तो वह ऐसे विधेयक की बात कैसे कर सकती थी।

राउत ने साफ तौर पर कहा कि महाराष्ट्र में डरपोक सरकार है। राउत ने कहा कि उन्होंने सीनेट चुनाव को दो बार स्थगित कर दिया है। महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) में मुख्यमंत्री पद को लेकर खींचतान की अटकलों के बीच शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि सहयोगी कांग्रेस को समझना चाहिए कि लोकसभा चुनाव में उसके संख्याबल में हुई वृद्धि में उनकी पार्टी का योगदान है।

आप के बिना नहीं बनेगी सरकार : केजरीवाल

» हरियाणा में अबकी बार किंग मेकर बनने की है लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हिसार। दिल्ली के पूर्व सीएम एवं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस बार हरियाणा बदलाव मांग रहा है। हरियाणा में आम आदमी पार्टी कई सीटों पर जीत हासिल करेगी। यहां जो भी सरकार बनेगी, वह आम आदमी पार्टी के समर्थन के बिना नहीं बनेगी। वे को जगाधरी विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार आदर्श पाल गुर्जर के समर्थन में निकाले गए रोड शो में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान आप पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मुझे झूठे केस में जेल में डाल दिया था। पांच महीने जेल में रखा और तरह-तरह की यातनाएं दी। इनका मकसद किसी भी तरह मुझे झुकाना था। जेल में जो सुविधाएं सामान्य आरोपियों को मिलती हैं, मुझे वो भी नहीं दी गई। कई दिनों तक मेरी दवाई भी बंद रखी थी। भाजपा को ये नहीं पता कि मैं हरियाणा का हूं। मेरी रगों में हरियाणा का खून दौड़ रहा है। ये किसी को भी तोड़ सकते हैं लेकिन हरियाणा वाले को नहीं झुका सकते। केजरीवाल ने कहा कि अब हरियाणा वाले इनको बाहर भेजेंगे।

हरियाणा में हमें किसी की जरूरत नहीं : राशिद अल्वी

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि आप कह रहे हैं कि आपके (आप) समर्थन के बिना हरियाणा में कोई सरकार नहीं बन सकती। यानी आप बीजेपी का भी समर्थन कर सकते हैं। इससे इस संदेह को बल मिलता है कि आपको बीजेपी की वजह से जमानत मिली है। कांग्रेस ने साफ तौर पर कहा है कि हरियाणा में हमें किसी की जरूरत नहीं है। अल्वी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को हरियाणा में किसी की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हरियाणा में सरकार बनाएगी। उन्होंने दावा किया कि कहीं ऐसा तो नहीं कि बीजेपी ने अपनी एजेंसियों को केजरीवाल को जमानत देने का निर्देश दिया है ताकि वह कांग्रेस के खिलाफ प्रचार कर सकें। आप यही कर रहे हैं। अल्वी ने कहा कि आप कह रहे हैं कि आपके (आप) समर्थन के बिना हरियाणा में कोई सरकार नहीं बन सकती। यानी आप बीजेपी का भी समर्थन कर सकते हैं। इससे इस संदेह को बल मिलता है कि आपको बीजेपी की वजह से जमानत मिली है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।